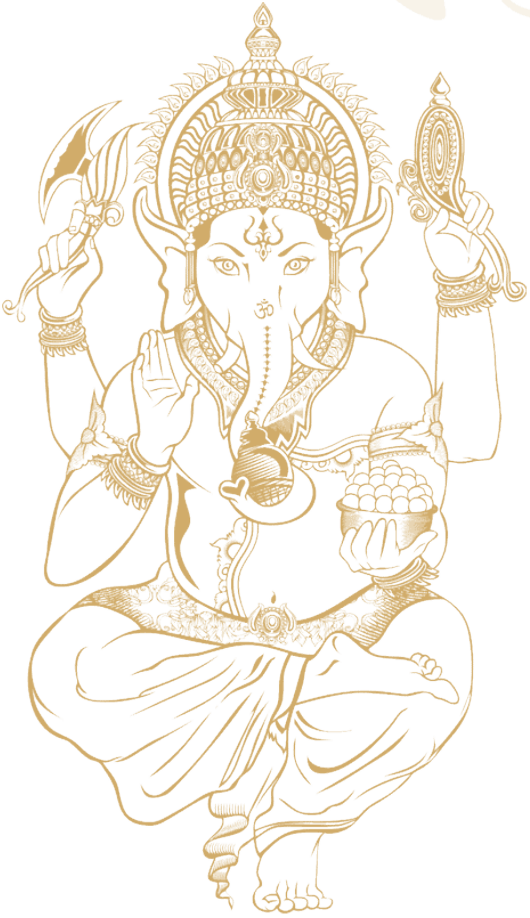

Pari

12 Aug 2006

11:36 AM

Solan

Model: Varshphal-2017

Order No: 121715901

तिथि 12/08/2006 **समय** 11:36:00 **वार** शनिवार **स्थान** Solan **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:57:00
अक्षांश 30:54:00 उत्तर **रेखांश** 77:06:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:36 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	08:36:38 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:05:05 घं	योनि	गौ
सूर्योदय	05:45:36 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	19:07:09 घं	वर्ण	विप्र
चैत्रादि संवत	2063	वश्य	जलचर
शक संवत	1928	वर्ग	सर्प
मास	भाद्रपद	युँजा	अन्त्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	जल
तिथि	4	जन्म नामाक्षर	दू-दूती
नक्षत्र	उ०भाद्रपद	पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-लौह
योग	सुकर्मा	होरा	बुध
करण	बव	चौघड़िया	उद्वेग

विंशोत्तरी
शनि 17वर्ष 1मा 11दि

बुध	
23/09/2023	23/09/2040
बुध	19/02/2026
केतु	16/02/2027
शुक्र	17/12/2029
सूर्य	24/10/2030
चन्द्र	24/03/2032
मंगल	21/03/2033
राहु	09/10/2035
गुरु	14/01/2038
शनि	23/09/2040

योगिनी
भद्रिका 4वर्ष 6मा 1दि

संकटा	
12/02/2024	12/02/2032
संकटा	23/11/2025
मंगला	12/02/2026
पिंगला	24/07/2026
धान्या	25/03/2027
भ्रामरी	12/02/2028
भद्रिका	24/03/2029
उल्का	24/07/2030
सिद्धा	12/02/2032

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			09:40:31	तुला	स्वाति	1	राहु	गुरु	---	0:00			
सूर्य			25:27:37	कर्क	आश्लेषा	3	बुध	राहु	मित्र राशि	1.85	आत्मा	पितृ	सम्पत
चंद्र			04:39:21	मीन	उ०भाद्रपद	1	शनि	शनि	सम राशि	0.91	कलत्र	मातृ	जन्म
मंगल			18:52:18	सिंह	पू०फाल्गुनी	2	शुक्र	राहु	मित्र राशि	1.01	भ्रातृ	भ्रातृ	क्षेम
बुध			07:32:31	कर्क	पुष्य	2	शनि	केतु	शत्रु राशि	1.09	पुत्र	ज्ञाति	जन्म
गुरु			16:59:34	तुला	स्वाति	4	राहु	शुक्र	शत्रु राशि	1.28	मातृ	धन	मित्र
शुक्र			05:19:31	कर्क	पुष्य	1	शनि	शनि	शत्रु राशि	1.12	ज्ञाति	कलत्र	जन्म
शनि		अ	21:30:35	कर्क	आश्लेषा	2	बुध	शुक्र	शत्रु राशि	1.12	अमात्य	आयु	सम्पत
राहु			01:49:19	मीन	पू०भाद्रपद	4	गुरु	राहु	सम राशि		---	ज्ञान	अतिमित्र
केतु			01:49:19	कन्या	उ०फाल्गुनी	2	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि		---	मोक्ष	प्रत्यारि

लग्न-चलित

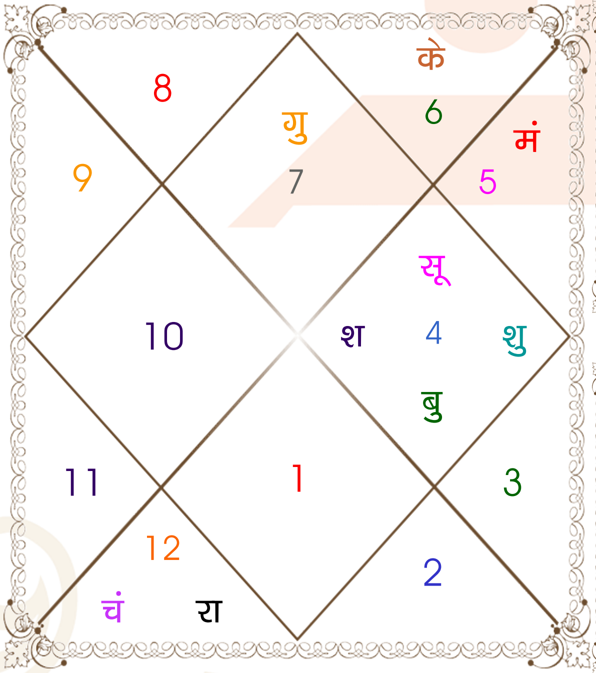

चन्द्र कुंडली

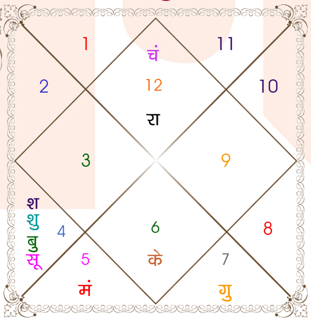

नवमांश कुंडली

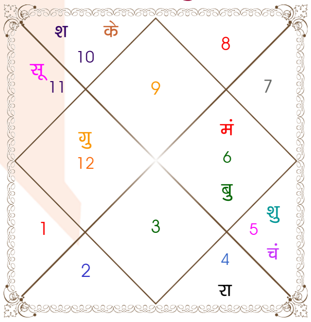

सर्वाष्टकवर्ग

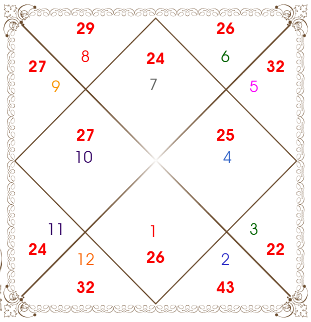

दशमांश कुंडली

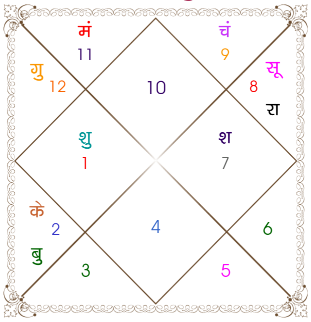

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप कफ तथा शीतादि रोगों से कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी अशान्त तथा व्याकुल रहेगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबंध मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपसी सहयोग एवं सुख के भाव में न्यूनता रहेगी तथा यदा कदा संबंधों में तनाव भी उत्पन्न होगा जिससे परस्पर कष्ट प्राप्त होगा। इस समय दुष्ट मनष्यों तथा चोर आदि से भी परेशानी होगी तथा घर में किसी चोरी की संभावना बनेगी। अतः आपको ऐसे समय में सावधान रहना चाहिए।इस समय आपकी पारिवारिक सुख शान्ति भी अच्छी नहीं रहेगी तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से संबंधों में तनाव रहेगा फलतः उनसे विशेष सुख एवं सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी तथा दाम्पत्य जीवन भी प्रभावित रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष प्रतिकूल रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी तथा आपके लाभ मार्ग भी अवरूद्ध होंगे। इसके साथ ही नौकरी या राजनीति में भी कार्य संबधी परेशानी रहेगी तथा पदोन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ सहयोगियों से भी आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा ये लोग आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसे समय में इनकी उपेक्षा न करें तथा आज्ञा पालन में तत्परता रखें। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी। इसके अतिरिक्त यात्रा आदि में भी हानि तथा कष्ट की संभावनाएं बनेगी अतः ऐसे समय में यात्रा की उपेक्षा करें। अतः इस वर्ष को आप अत्यंत ही शान्तिपूर्वक व्यतीत करें तथा समय के बीतने की प्रतीक्षा करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगी। इस समय रूधिर विकार संबंधी रोगों से आपको परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस वर्ष आपके शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध के भाव की अधिकता रहेगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप अशान्त रहेगी तथा मन में व्याकुलता तथा उद्विग्नता रहेगी। इस समय यात्राओं से आपको हानि होगी तथा यात्रा के मध्य शारीरिक या अन्य प्रकार से कोई कष्ट भी हो सकता है। शत्रु पक्ष से भी इस समय आप चिन्तित रहेंगी तथा वे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। साथ ही आशाओं में भी असफलता मिलेगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय उपेक्षा का भाव रहेगा तथा धार्मिक कृत्यों को अल्प मात्रा में ही सम्पन्न करेंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होगी तथा हानि की भी संभावनाएं रहेंगी। साथ ही लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे अतः ऐसे समय में नवीन कार्य प्रारंभ नहीं करने चाहिए। आर्थिक स्थिति भी आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा व्ययाधिक्य होने से आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति में भी उन्नति के मार्ग अवरूद्ध होंगे तथा उच्चाधिकारी एवं राजनैतिक नेता आपसे असन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपकी पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होगी तथा मान प्रतिष्ठा में भी न्यूनता का भाव रहेगा। अतः वरिष्ठ नेताओं या अधिकारियों की इस वर्ष उपेक्षा नहीं करें तथा समय की प्रतिकूलता को मध्य नजर रखते हुए अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक कष्ट एवं परेशानी की आप अनुभूति करेंगी। इससे शरीर में कमजोरी रहेगी तथा स्वाभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा फलतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में आप परेशानी की अनुभूति करेंगी।शत्रु पक्ष भी इस समय आपसे प्रबल रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी तथा ये प्रत्येक क्षेत्र में आपके लिए परेशानियां उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी अतः इससे पूर्ण सावधान रहें।देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगी।साथ ही मानसिक रूप से भी आपको परेशानी की अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर इसमें अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। नौकरी या राजनीति में आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे अतः इस समय इनकी उपेक्षा न करें। साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। अतः अपने कार्यो को बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें। इस समय आपको किसी मुकद्दमे या चुनाव आदि में भी पराजय का सामना करना पड़ सकता है।साथ ही दूर समीप की कोई यात्रा भी हो सकती है लकिन इससे कोई विशेष लाभ नहीं होगा। अतः ऐसे समय में आप धैर्य तथा शान्ति पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी तभी अशुभ फलों में न्यूनता होगी।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट की अनुभूति होती रहेगी। मानसिक स्थिति भी आपकी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में चंचलता तथा उद्विग्नता का भाव विद्यमान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी परन्तु धार्मिक कार्य कलापों तथा वृतियों को सम्पन्न करने में आप अल्प रूचि का प्रदर्शन करेंगी। इस समय आपके महत्वपूर्ण शुभ कार्य अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे तथा इसके लिए आपको काफी संघर्ष एवं परिश्रम करना पड़ेगा।साथ ही सौभाग्य में वृद्धि भी अल्प रहेगी तथापि किसी महत्वपूर्ण कार्य की सिद्धि हो जाएगी जिससे आपको सन्तुष्टि प्राप्त होगी । भौतिक सुख संसाधन भी आप सामान्य रूप में अर्जित करेंगी परन्तु उनका उपभोग मध्यम रूप से ही कर सकेंगी। इसके साथ ही इस वर्ष में आप किसी शुभ या मांगलिक कार्य पर व्यय कर सकती हैं।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष परिश्रम पूर्ण रहेगा तथापि आप किंचित उन्नति तथा सफलता अर्जित करेंगी तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी आपकी उन्नति की संभावनाएं रहेगी परन्तु इसमें विलम्ब या व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबध सामान्य रहेंगे परन्तु इनसे इच्छित लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त हो सकेगा। जिससे शुभ कार्यो में सफलता की संभावना बढ़ेगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी संबध सामान्य रहेंगे तथा उनसे लाभ एवं सहयोग मध्यम रहेगा। अतः शान्ति एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा समय की उपेक्षा न करें।

प्रथम मास
12/08/2026 14:34:58 से 12/09/2026 16:03:08 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:21:31
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	25:27:37
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	20:39:36
मंगल		मिथुन	मृगशिरा	06:26:48
बुध		कर्क	पुष्य	10:15:11
गुरु		कर्क	पुष्य	15:14:29
शुक्र		कन्या	हस्त	11:18:50
शनि	व	मीन	रेवती	20:17:11
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:33:33
केतु	व	सिंह	मघा	05:33:33
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	09:40:31

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

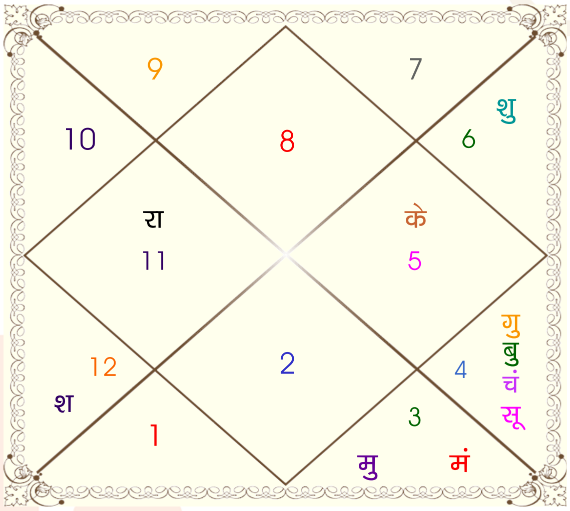

यह मास आपके लिए अशुभ फलदायक सिद्ध होगा। इससे आपको शुत्रु पक्ष से नित्य भय बना रहेगा एवं घर में चोरी आदि भी हो सकती है। साथ ही आपका व्यय भी अधिक मात्रा में होगा तथा धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा में न्यूनता आएगी। इस समय शारीरिक रूप से भी आप विविध प्रकार से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। फलतः आपके शारीरिक बल में अल्पता आएगी। इस मास में आप घर से बाहर देश विदेश की यात्रा भी सम्पन्न कर सकती हैं। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी यदाकदा कष्ट प्राप्त होंगे तथा मुकद्दमे आदि में अनावश्यक रूप से धन का व्यय होगा फलतः मानसिक असंतोष भी बना रहेगा। इसके अतिरिक्त इस समय राजदरबार से भय रहेगा तथा आशाओं में भी विशेष सफलता प्राप्त होने में कठिनाई होगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त सम्बन्धी रोगों से कष्टानभूति प्राप्त करेंगी तथा किसी भी प्रकार से रक्त विकार होने की भी सम्भावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए।

द्वितीय मास

12/09/2026 16:03:08 से 13/10/2026 05:55:34 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	07:59:15
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	25:27:37
चन्द्र		कन्या	हस्त	11:44:39
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	26:19:07
बुध		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:42:50
गुरु		कर्क	आश्लेषा	21:49:15
शुक्र		तुला	स्वाति	07:06:19
शनि	व	मीन	रेवती	18:43:49
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:31:57
केतु	व	सिंह	मघा	05:31:57
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	12:10:31

मासाधिपति

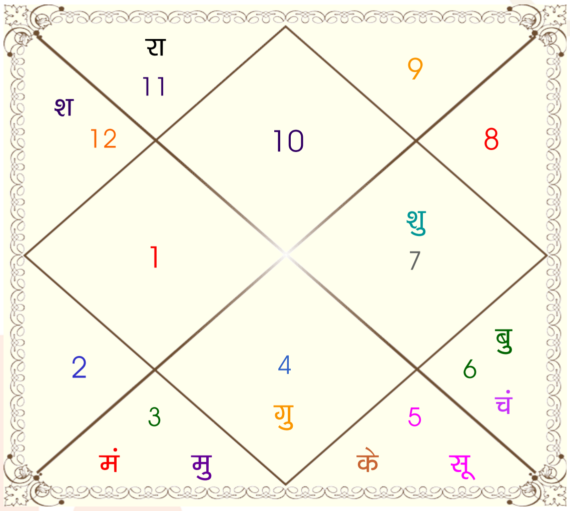

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप शुभाशुभ फलों को प्राप्त करेंगी। आपके शरीर में इस समय रूग्णता के कारण निर्बलता रहेगी तथा शत्रु भी प्रबल होंगे एवं आपके लिए अनावश्यक रूप से भय तथा चिन्ता उत्पन्न करेंगे। इससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगी। आपके घर में इस समय चोरी आदि भी हो सकती है अतः सावधान रहें। यदि आप कहीं कार्य कर रही हों तो आपको अपने उच्चाधिकारियों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए अन्यथा आप दंडित हो सकती हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे साथ ही धन का भी आप अनावश्यक रूप से व्यय करेंगी। इस मास आप किसी कठोर कार्य को करने के लिए भी प्रेरित हो सकती हैं। जिससे बाद में आपको पछताना पड़ेगा अतः कोई भी कार्य आपको सोच समझ कर सम्पन्न करना चाहिए। आपके मित्रों तथा सम्बन्धियों से सम्बन्धों में तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही समाज में आपके सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त आपकी आशाएं भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगी। इससे आप पति या पुरुष वर्ग से लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा स्वबुद्धि चातुर्य से अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगी। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगी एवं किसी धार्मिक उत्सव को सम्पन्न करेंगी। इस प्रकार यह मास आप मध्यम रूप से ही व्यतीत करेंगी।

तृतीय मास

13/10/2026 05:55:34 से 12/11/2026 07:29:47 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	18:48:04
सूर्य		कन्या	चित्रा	25:27:37
चन्द्र		तुला	विशाखा	23:08:56
मंगल		कर्क	पुष्य	14:18:21
बुध		तुला	विशाखा	20:27:04
गुरु		कर्क	आश्लेषा	27:24:02
शुक्र	व	तुला	स्वाति	12:24:04
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	16:24:15
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	04:18:02
केतु	व	सिंह	मघा	04:18:02
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	14:40:31

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

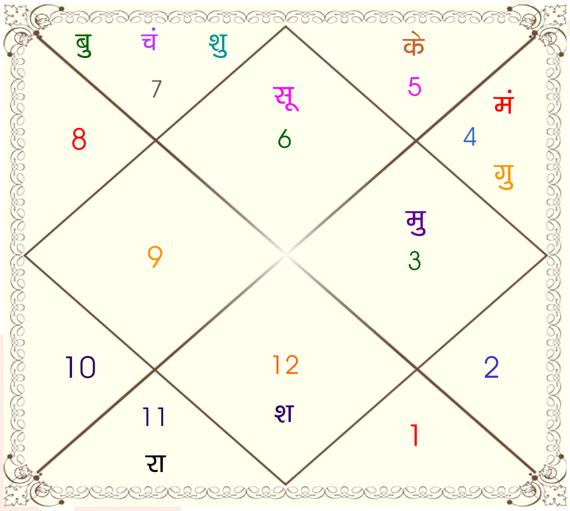

इस मास में आप अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय आपके उच्चाधिकारी तथा वरिष्ठ सहयोगी जन आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आप प्रोन्नत भी हो सकती हैं।मित्रों एवं बन्धुजनों से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी एवं उनकी भलाई के लिए कार्यो को करने में रूचिशील रहेंगी।आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सम्पन्न होंगे तथा मानसिक रूप से आप प्रसन्न रहेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी एवं उनकी पूजा एवं सेवा करने में आप तत्पर रहेंगी। इस समय समाजिक जनों में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा समाज में यश भी प्राप्त होगा साथ ही अन्य प्रकार से भी धन एवं लाभ अर्जित करने में आप सफल रहेंगी इसके अतिरिक्त पिछली असफल आशाओं में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही इस मास में आप पति एवं पुत्रों से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी एवं बुद्धि में भी निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या स्वर्णादि के आभूषणों को अर्जित करने में भी सफल होंगी। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही अनुकूल तथा शुभ रहेगा।

चतुर्थ मास

12/11/2026 07:29:47 से 11/12/2026 23:17:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	03:53:11
सूर्य		तुला	विशाखा	25:27:37
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:36:27
मंगल		कर्क	आश्लेषा	29:45:12
बुध	व	तुला	स्वाति	11:02:10
गुरु		सिंह	मघा	01:17:09
शुक्र	व	कन्या	चित्रा	28:42:18
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	14:25:44
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	01:19:39
केतु	व	सिंह	मघा	01:19:39
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	17:10:31

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

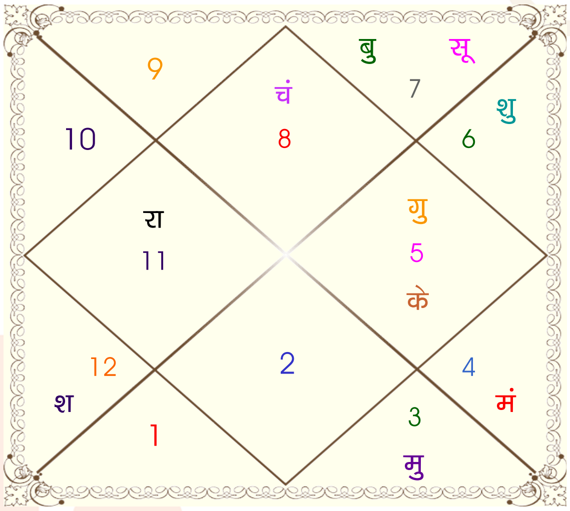

इस मास में आप समान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगी। इस समय आप शत्रुओं से अत्यंत ही भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं मानसिक रूप से कष्टानुभूति भी प्राप्त करेंगी। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी आदि भी हो सकती है। साथ ही इस समय आपका धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे सामान्य आर्थिक संकट भी रहेगा। धर्म के प्रति भी आपकी इस मास में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा शारीरिक अस्वस्थता के कारण आप दुर्बलता की भी अनुभूति करेंगी। इस मास में घर से दूर किसी स्थान की यात्रा भी कर सकती हैं। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में विध्न बाधाएं अधिक मात्रा में आएंगी फलतः परिश्रम करने पर भी कार्यो में अल्प सिद्धि ही प्राप्त हो सकेगी। इसके अतिरिक्त मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय हो सकता है। अतः सोच समझकर ही समय व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से अस्वस्थ रहेंगी तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगी जिसके कारण बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा इससे आपकी समाजिक रूप से अवमानना भी हो सकती है। इसके साथ ही अग्नि के द्वारा भी आपकी धन सम्बन्धी हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

पंचम् मास

11/12/2026 23:17:12 से 10/01/2027 10:15:07 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	13:39:09
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:27:37
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	24:48:26
मंगल		सिंह	मघा	11:18:59
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	13:58:29
गुरु		सिंह	मघा	02:47:09
शुक्र		तुला	स्वाति	11:00:23
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:41:44
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	28:06:37
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	28:06:37
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	19:40:31

मासाधिपति

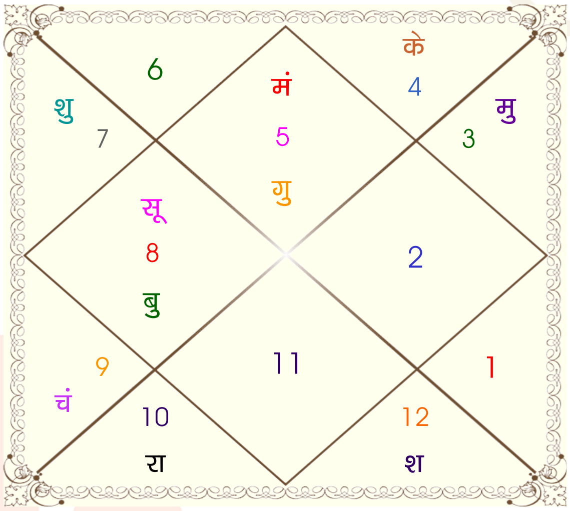

मासाधिपति : शुक्र

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगी। इस समय सौभाग्य से आप युक्त रहेंगी एवं पति से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करेंगी। आपका स्वास्थ्य इस समय उत्तम रहेगा तथा मन में भी पूर्ण शान्ति रहेगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आप रूचिशील रहेंगी तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगी। मित्रों तथा बन्धुजनों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनके मध्य आप उचित सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी तथा उनका पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करेंगी। इस मास में आप वांछित द्रव्यों को भी प्राप्त करेंगी जिससे प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा इसके अतिरिक्त आपकी अपूर्ण मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगी तथा उनसे आपको अपेक्षित सहयोग भी मिलता रहेगा। आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा उचित धन लाभ एवं सुखार्जन करने में आप सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का आयोजन भी कर सकती हैं।

षष्ठ मास

10/01/2027 10:15:07 से 08/02/2027 22:30:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	18:04:33
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:27:37
चन्द्र		मकर	श्रवण	20:52:43
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:11:26
बुध		मकर	उत्तराषाढ़ा	00:39:56
गुरु	व	सिंह	मघा	01:31:21
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	08:43:53
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:30:51
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:26:43
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:26:43
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	22:10:31

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

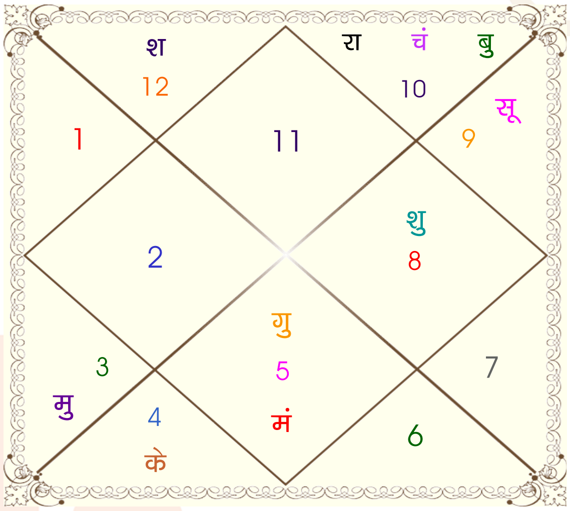

इस महीने में आपकी बुद्धि में निर्मलता रहेगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को बुद्धिमता से सम्पन्न करेंगी। इस समय आपको विभिन्न प्रकार के द्रव्य पदार्थो की प्राप्ति होगी तथा पुत्र से भी आप सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगी। साथ ही ज्ञानार्जन में भी आपकी रुचि रहेगी। इस मास में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को सभी लोग मन से स्वीकार करेंगे। इस समय आपके कई शुभ कार्य सम्पन्न होंगे तथा दूर से शुभ समाचार भी प्राप्त करेंगी जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ अर्जित करने में सफल रहेगी। इस समय समाज में भी आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस प्रकार पूर्ण रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप वातोत्पन्न रोगों से पीड़ित रहेंगी तथा इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगी जिससे बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी धन हानि की संभावना रहेगी अतः सतर्कता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा शारीरिक सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

सप्तम् मास

08/02/2027 22:30:09 से 10/03/2027 17:51:30 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	23:38:41
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	25:27:37
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	18:13:53
मंगल	व	सिंह	मघा	10:43:36
बुध		कुम्भ	शतभिषा	11:38:52
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	28:06:27
शुक्र		धनु	मूल	11:38:20
शनि		मीन	रेवती	16:43:26
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:17:16
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:17:16
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	24:40:31

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

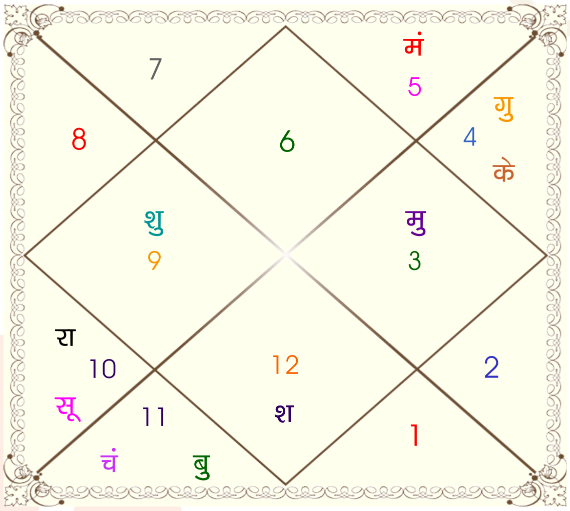

इस मास में आप अपने कार्यक्षेत्र में आशातीत उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में पूर्ण सफलता अर्जित करेंगी। साथ ही आपके उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे अतः आप पदोन्नति भी प्राप्त कर सकती हैं। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगी तथा उनकी भलाई के लिए भी तत्पर रहेंगी। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रुप से भी आप प्रसन्न तथा शान्त रहेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इस मास में समाज में आपके प्रभुत्व तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपके यश में भी विस्तार होगा साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभ योग बनते रहेंगे। इस समय आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति भी कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त विगत असफल अशाओं में भी आप सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगी तथा पुरुषवर्ग से भी लाभ हो सकता है। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ या सुखार्जन करने में सफल रहेंगी तथा धर्म में आपकी श्रद्धा रहेगी एवं समाज में यथोचित मान सम्मान प्राप्त होगा। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अष्टम् मास
10/03/2027 17:51:30 से 10/04/2027 00:26:04 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:51:44
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:27:37
चन्द्र		मीन	रेवती	20:26:59
मंगल	व	कर्क	आश्लेषा	29:47:29
बुध		मकर	धनिष्ठा	29:00:54
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	24:28:45
शुक्र		मकर	श्रवण	16:46:07
शनि		मीन	रेवती	19:56:16
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:03:51
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:03:51
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	27:10:31

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

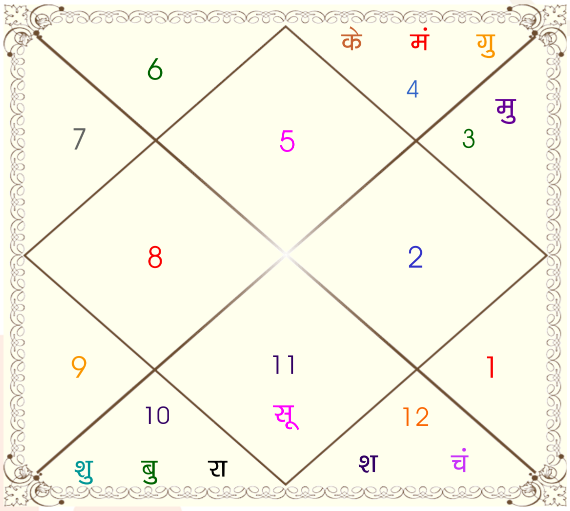

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय सौभाग्य से आप युक्त रहेंगी तथा पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप इच्छित लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट तथा शान्त रहेंगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन के प्रति भी आप अपनी रूचि का प्रदर्शन करेंगी। बन्धुवर्ग एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको उचित मान सम्मान प्राप्त होगा। साथ ही वे आपको अपना पूर्ण सहयोग भी प्रदान करेंगे। इस समय आप वांछित द्रव्यों को प्राप्त करेंगी एवं उनके उपभोग से सुखानुभूति प्राप्त करेंगी। संतति पक्ष से भी आप निश्चिन्त रहेंगी तथा आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में आप पति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा उनसे आपको अपेक्षित सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा। आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा वांछित धन लाभ तथा सुख अर्जित करने में आप सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आपको समाज से पूर्ण सम्मान तथा यश प्राप्त होगा एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी।

नवम् मास

10/04/2027 00:26:04 से 10/05/2027 19:29:25 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	09:20:52
सूर्य		मीन	रेवती	25:27:37
चन्द्र		वृष	कृतिका	00:51:59
मंगल		कर्क	आश्लेषा	27:05:05
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	07:08:18
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	22:46:19
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:11:52
शनि		मीन	रेवती	23:41:15
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	24:15:44
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	24:15:44
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	29:40:31

मासाधिपति

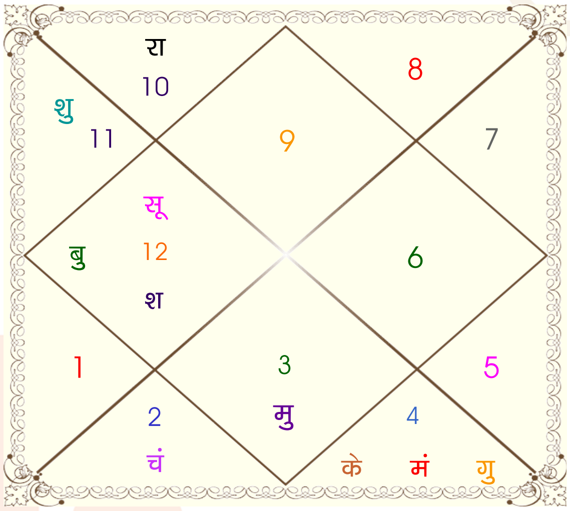

मासाधिपति : शनि

इस महीने में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपके पति तथा बन्धुवर्ग किसी भी प्रकार से कष्ट प्राप्त करेंगे या आपको कष्ट देंगे। आपके शत्रु इस मास में बलवान रहेंगे तथा आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। अतः आप इनसे चिन्तित एवं भयभीत रहेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा मन में लोभ के भाव की वृद्धि होगी।साथ ही धन का व्यय अधिक मात्रा में होगा। अतः धनाभाव से भी आप दुःखी रहेंगी। इस समय आपके उत्साह में कमी आएगी तथा शरीर में निर्बलता भी रहेगी। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा आपस में तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही ऐसे समय में मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे। जिससे आप मानसिक रूप से भी कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय पारिवारिक तथा सामाजिक जनों से भी आप का विवाद होता रहेगा।अतः संयम पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे पुरुष वर्ग से आपको पूर्ण लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा अपनी बुद्धि से आप शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में सफल रहेंगी तथा अन्य प्रकार से भी धनार्जन एवं सुख की प्राप्ति होती रहेगी।

दशम् मास

10/05/2027 19:29:25 से 11/06/2027 00:53:49 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	विशाखा	01:13:08
सूर्य		मेष	भरणी	25:27:37
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	20:48:43
मंगल		सिंह	मघा	04:18:32
बुध		वृष	कृतिका	08:45:15
गुरु		कर्क	आश्लेषा	23:53:26
शुक्र		मेष	अश्विनी	00:32:27
शनि		मीन	रेवती	27:28:04
राहु	व	मकर	श्रवण	21:11:55
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	21:11:55
मुंथा		कर्क	पुनर्वसु	02:10:31

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

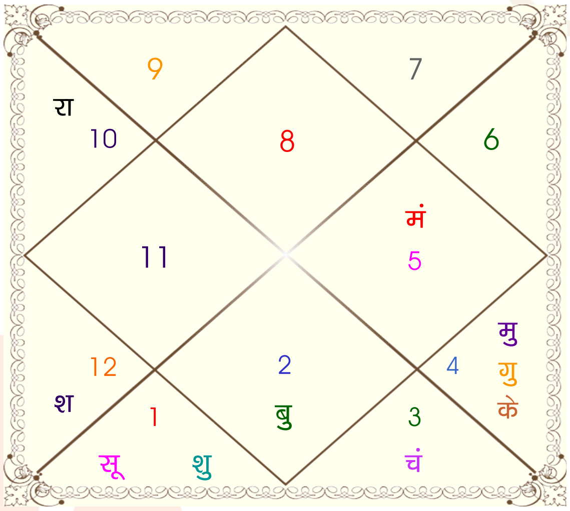

इस मास में आप सौभाग्यशाली रहेंगी तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता प्राप्त करेंगी। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग एवं सामाजिक जन आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग भी प्राप्त करेंगी। इस मास में आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकती है। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा विधि पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करती रहेंगी।संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगी एवं बुद्धि में भी निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी जिससे आप के शुभ कार्य यथासमय सिद्ध होंगे।साथ ही भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय पूर्ण होंगे। इस समय आपकी लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके यथोचित मान सम्मान की प्राप्ति होगी तथा मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस प्रकार सर्वत्र आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगी तथा अपने बुद्धिबल से वांछित धन एवं सुख भी प्राप्त करेंगी। धर्म के प्रति भी श्रद्धालु रहेंगी तथा समाज में आप एक सम्माननीया महिला समझी जाएंगी।

एकादश मास
11/06/2027 00:53:49 से 12/07/2027 11:32:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	पू०भाद्रपद	01:18:48
सूर्य		वृष	मृगशिरा	25:27:37
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	17:07:07
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	17:29:31
बुध	व	मिथुन	आर्द्रा	12:07:03
गुरु		कर्क	आश्लेषा	27:32:45
शुक्र		वृष	कृतिका	08:32:36
शनि		मेष	अश्विनी	00:44:09
राहु		मकर	श्रवण	18:40:15
केतु		कर्क	आश्लेषा	18:40:15
मुंथा		कर्क	पुष्य	04:40:31

मासाधिपति

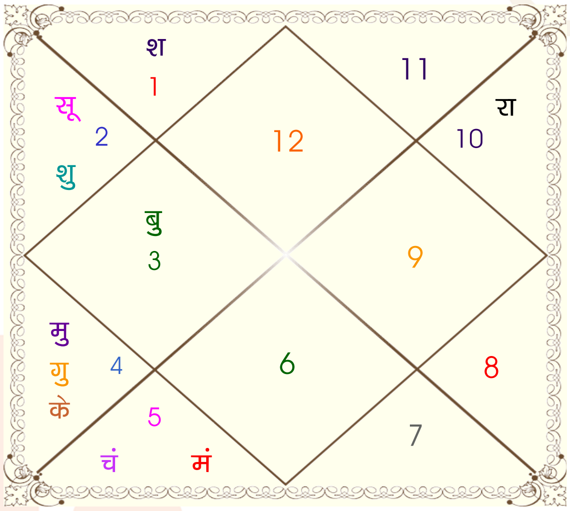

मासाधिपति : शुक्र

इस महीने में आप शुभ फलों को प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगी तथा उनसे पूर्ण सहयोग भी प्राप्त करेंगी। साथ ही द्रव्य पदार्थो को अर्जित करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस समय समाज के सभी वर्गो में आपका प्रभुत्व बढेगा एवं लोग आपकी श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। साथ ही आपके शुभ कार्य भी इस मास में पूर्ण होंगे तथा कहीं से आपको शुभ समाचार भी प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आप श्रद्धालु रहेंगी एवं निष्ठा पूर्वक उनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा समाज में आपकी पूर्ण प्रतिष्ठा रहेगी एवं आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी एवं अपनी तीव्र बुद्धि से प्रचुर मात्रा में धन तथा सुखों को प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त धार्मिक कार्यो में भी आप रुचि शील रहेंगी तथा अपने सत्कार्यो से समाज में सर्वत्र प्रतिष्ठा एवं सम्मान अर्जित करने में सफल रहेंगी।

द्वादश मास

12/07/2027 11:32:33 से 12/08/2027 20:44:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	12:22:39
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	25:27:37
चन्द्र		तुला	स्वाति	13:23:27
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	04:03:37
बुध		मिथुन	मृगशिरा	05:32:50
गुरु		सिंह	मघा	02:58:52
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	16:59:27
शनि		मेष	अश्विनी	02:56:25
राहु	व	मकर	श्रवण	17:27:39
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	17:27:39
मुंथा		कर्क	पुष्य	07:10:31

मासाधिपति

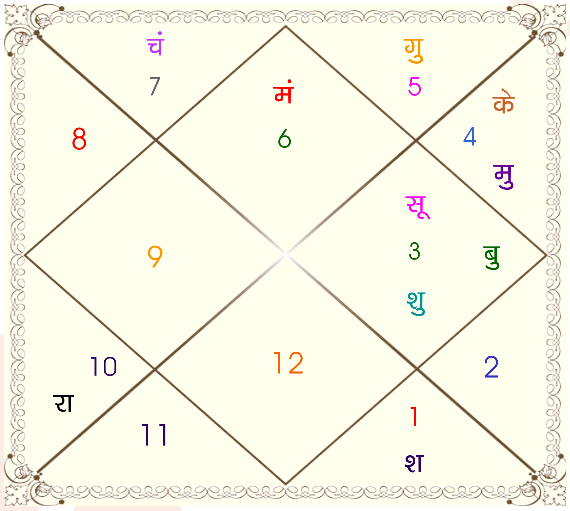

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप शुभ फल अधिक तथा अशुभ फल अल्प मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय पुरुष वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करेंगी तथा आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी जिससे आपके शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सम्पन्न हो जाएंगे। इससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। इस मास में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होगा। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आप रूचि शील रहेंगी तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग का आपको सहयोग प्राप्त होगा तथा परस्पर संबध भी मधुर रहेंगे। इस समय आपको मनोच्छित पदार्थो की भी प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगी। संतति पक्ष से भी आप निश्चिंत रहेंगी तथा समाज में सम्मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपके रूके हुए कार्य भी इसी मास में पूर्ण होंगे।

साथ ही इस समय शुभ फलों के मध्य अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप शीत तथा वातोत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको किसी प्रकार क्षति हो सकती है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।